



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 194]  
No. 194)

नई दिल्ली, सोमवार, मई 17, 1982 / वैशाख 27, 1904  
NEW DELHI, MONDAY, MAY 17, 1982/VAISAKHA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय  
(ओद्योगिक विकास विभाग)

आवेदन  
नई दिल्ली 17 मई, 1982

का० आ० सं० 327 (अ) 18 क/आई० डी० आर० ५०/८२—  
भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (ओद्योगिक विकास विभाग) की अधिकारी सं० का० आ० सं० 325 (अ) तारीख 18 मई, 1978 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आवेदन कहा गया है) द्वारा बंगल डम्पुनिटी कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से जात समूह ओद्योगिक उपकरण का प्रबंध उक्त आवेदन में प्रबंधक बोर्ड के रूप में निर्दिष्ट व्यक्ति निकाय द्वारा उद्योग (विकास और विनियमन) भित्तियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के अधीन 18 मई, 1978 से दो वर्ष की प्रबंधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (ओद्योगिक विकास विभाग) के आवेदन सं० का० आ० 324 (अ) तारीख 17 मई, 1980 द्वारा उक्त आवेदन की प्रबंधि 17 मई, 1982 तक की और प्रबंधि के लिए बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार की यह गय है कि लाक हित में यह समीचीन है कि उक्त ओद्योगिक उपकरण का उक्त प्रबंधक-बोर्ड द्वारा प्रबंध 6 मास की की और प्रबंधि के लिए बना रहना चाहिए;

अत केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) भित्तियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 (क) की उपस्थारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उक्त आवेदन

17 नवम्बर, 1982 तक की और प्रबंधि के लिए, जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, प्रवृत्त बना रहेगा।

[फा० सं० 4 (1)/77- सी० मू० एस०]

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(Department of Industrial Development)  
ORDERS

New Delhi, the 17th May, 1982

S.O. 327(E)/18A/IDRA/82.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 325(E) dated the 18th May, 1978, (hereinafter referred to as the said order), the management of the whole of the industrial undertaking known as The Bengal Immunity Company Limited, Calcutta, was taken over by a body of persons referred to in the said order as the Board of Management, under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of two years from the 18th May, 1978;

And, whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 324(E), dated the 17th May, 1980, the duration of the said order was extended for a further period upto the 17th May, 1982;

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Board of Management should continue for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Govern-

ment hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 17th November, 1982.

[F. No. 4(1)/77-CUS]

**का० आ० 328 (अ) / 18 च च / आई शी आर ए / 82—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (प्रौद्योगिक विकास विभाग) के भारत से० का० आ० 354 (भ) तारीख 25 मई, 1978 (जिसे इसमें इनके पश्चात उक्त भारत कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च च की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा की थी कि 25 मई, 1978 के ठीक पूर्व प्रबृत्त ऐसी सभी संविधानों, सम्पत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचांगी स्थायी भारदेशों या ग्राम लिखानों का प्रबर्तन जिनका बंगाल हस्तान्तरण कंपनी लिमिटेड, कलकत्ता नामक प्रौद्योगिक उपकरण या ऐसे प्रौद्योगिक उपकरण का बाहिनिक रखने वाला कंपनी एक पक्षकार है या जो उक्त प्रौद्योगिक उपकरण या कंपनी को लागू हो, 18 मई, 1979 तक नियमित रहेंगे और उक्त तारीखों के पूर्व उसके प्रधीन प्रोत्पूत या उपर्युक्त होने वाले सभी अधिकार, विवेषाधिकार, बाध्यनाएँ और वायित्व उक्त अधिकार के लिए नियमित रहेंगी;**

ग्राम उक्त भावेण की अवधि समय-समय पर 17 मई, 1982 तक बढ़ा दी गई थी,

प्रौद्योगिक उपकरण का समाधान हो गया है कि उक्त भावेण की अवधि 6 मास की भौत अवधि के लिए बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 च च की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त

भावेण की अवधि 17 नवम्बर, 1982 तक जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, बढ़ाती है।

[फा० सा० 4 (1)/77-सी० य० एम०]  
भारत के० भारतीय संघीय सचिव

**S.O. 328(E)|18FB|IDRA|82.—**Whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 354(E) dated the 25th May, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the 25th May, 1978 to which the industrial undertaking known as the Bengal Immunity Company Limited, Calcutta or the company owning such undertaking is a party or which may be applicable to the said industrial undertakings or company, shall remain suspended upto 18th May, 1979 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas the duration of the said Order was extended from time to time upto the 17th May, 1982;

And, whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951, (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order for a further period upto and inclusive of the 17th November, 1982.

[F. No. 4(1)/77-CUS]  
R. K. BHARGAVA, Jt. Secy.